Daily Gospel Reflections in Hindi

05 September 2019

मत्ति 25: 31–40

See Christ in the needy

कलीसिया के अस्तित्व यही बात को समझाता है कि ख्रीस्तीयता दूसरे जरूरत मंद लोगों के लिए समर्पित है। हर एक कार्य को, हर एक व्यक्ति को ईश्वरीय नजरिए से जब हम सामना करते हैं वहां पर दूसरों के प्रति दया, साथ–साथ में अन्य मानवीय गुणों को सभी लोग हम से प्राप्त करेंगे। अनंत जीवन हम सभी को मुफ्त में मिलने वाला तोहफा नहीं है। जब हम दूसरों के प्रति दया भाव रखते हैं, तब ईश्वरीय दया हम पर भी बरसता है।

आज हम संत मदर तेरेसा को याद करते हैं, जिन्होंने हमें समझाया, की प्रेम से सेवा करें। कोलकत्ता की गलियों में छोटी सी झुकी हुई एक सिस्टर बड़ा दिल से जरूरत मंदों के लिए झुक गई। वहां पर ख्रीस्तीयता का बाग–बगीचे में फूल खिले। संत तेरेसा का कहना था, आपको आपके जीवन का कुछ समय जरूरत मंदों के लिए बांटना है। अमन एक मुस्कुराहट में बांध कर हम येसु की दया को हमारे जीवन में भी पायें।

Rev. Fr. Santo Pullan

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019